भारत सरकार
मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय
मत्स्यपालन विभाग

राज्य सभा
तारांकित प्रश्न संख्या- *49
दिनांक 05 फरवरी, 2021 के लिए प्रश्न

राष्ट्रीय मत्स्यपालन नीति

***49. श्री सतीश चंद्र दुबे:**

क्या मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या यह सच है कि सरकार मत्स्यपालन को प्रोत्साहित करने के लिए राष्ट्रीय मत्स्य नीति का प्रारूप तैयार कर रही है;

(ख) यदि हां, तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं; और

(ग) राष्ट्रीय मत्स्य नीति के अन्तर्गत समुद्री मछली पालन, जलकृषि और समुद्री जीव पालन के विकास के लिए आगामी वर्षों में सरकार द्वारा कितनी धनराशि व्यय किए जाने का प्रस्ताव है?

उत्तर

मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्री

(श्री गिरिराज सिंह)

(क) से (ग): एक विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है।

*****

“राष्ट्रीय मत्स्यपालन नीति” के बारे में श्री सतीश चन्द्र दुबे, संसद सदस्य द्वारा दिनांक 05-02-2021 को पूछे जाने वाले राज्यसभा तारांकित प्रश्न सं. 49 के उत्तर में उल्लिखित विवरण।

(क) एवं (ख) जी, हाँ। ‘राष्ट्रीय मात्स्यिकी नीति, 2020’ (एन.एफ.पी.) का प्रारूप तैयार कर हितधारकों से सुझाव आमंत्रित करने के लिए सार्वजनिक डोमेन में रखा गया है । राष्ट्रीय मात्स्यिकी नीति के प्रारूप में अगले दस वर्षों के लिए देश में मत्स्यपालन क्षेत्र के समग्र एवं सतत विकास के लिए सरकार के विजन और रणनीतियों का उल्लेख किया गया है।

(ग) "राष्ट्रीय मात्स्यिकी नीति" का मसौदा देश में मत्स्य पालन क्षेत्र के समग्र विकास के लिए मार्गदर्शक सिद्धांत, रणनीति और रोडमैप प्रदान करता है। मत्स्यपालन विभाग, मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय, भारत सरकार मात्स्यिकी क्षेत्र के संकेंद्रित विकास के लिए विभिन्न योजनाओं और कार्यक्रमों को लागू कर रहा है। हाल ही मे मात्स्यिकी क्षेत्र में अब तक के सबसे अधिक निवेश 20,050 करोड़ रुपये के साथ पाँच वर्षों (अर्थात वित्त वर्ष 2020-21 से वित्त वर्ष 2024-25 तक) की अवधि के लिए एक विशेष एकछत्र योजना अर्थात “प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना (पी.एम.एम.एस.वाई.)” को लागू किया गया है।

*****